31/07/19

पाठ - 3

शब्द - विचार

- शब्दों के द्वारा भाषा समृद्ध बनती है। 'शब्दकोश' में हम शब्दों का भंडार पाते हैं।
- जब शब्द वाक्य में प्रयुक्त होते हैं तब इन्हें 'पद' कहते हैं।
- शब्दों का वर्गीकरण - शब्दों का वर्गीकरण निम्नलिखित आधारों पर किया गया है।

क. उत्पत्ति के आधार पर ख. रचना (व्युत्पति के आधार पर)
ग. अर्थ के आधार पर घ. प्रयोग के आधार पर

उत्पत्ति के आधार पर - शब्द की उत्पत्ति के आधार पर इसके चार भेद होते हैं -

i) तत्सम - संस्कृत भाषा के वे शब्द जो बिना किसी परिवर्तन के हिन्दी भाषा में प्रयोग किए जाते हैं, तत्सम शब्द कहलाते हैं। जैसे - सूर्य, अग्नि, दंत आदि

ii) तद्भव - संस्कृत भाषा के वे शब्द जो परिवर्तन के साथ हिन्दी भाषा में प्रयुक्त हों, वे तद्भव शब्द कहलाते हैं। जैसे - सूर्य, आग, दाँत आदि।

iii) देशज शब्द - जब हिन्दी भाषा में वहाँ की स्थानीय लोक भाषा का प्रयोग किया जाए, वे देशज शब्द कहलाते हैं। जैसे - पेड़ा, थैला, पैर आदि।

iv) विदेशी शब्द / आगत शब्द - जब हिन्दी भाषा में विदेशी भाषाओं के शब्दों का प्रयोग हो, वे विदेशी शब्द कहलाते हैं। जैसे -
फ़ारसी - अफ़सोस, शिकायत
अंग्रेज़ी - डॉक्टर, सिगरेट
तुर्की - गलीचा, कैंची
चीनी - चाय, चीनी
पुर्तगाली - तौलिया, बाल्टी

रचना के आधार पर - रचना के आधार पर शब्दों के तीन भेद हैं -
i) रूढ़ ii) यौगिक iii) योगरूढ़

रूढ़ - जिन शब्दों के टुकड़े या खंड करने पर उन खंडों का कोई अर्थ नहीं निकलता, वे परंपरा से प्रयोग होते चले आ रहे हैं उन्हें रूढ़ शब्द कहते हैं। जैसे - किताब, दीवार, चालाक

यौगिक - जिन शब्दों के खंड करने पर खंडित शब्दों के भी अर्थ निकलते हैं, उन्हें यौगिक शब्द कहते हैं। ये एक से अधिक शब्दों के मेल (योग) से बनते हैं। जैसे -
विद्या + आलय = विद्यालय
रसोई + घर = रसोईघर

योगरूढ़ - जो शब्द दो या अधिक शब्दों के मेल से बनते हैं, लेकिन एक विशेष अर्थ के रूप में प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें योगरूढ़ शब्द कहते हैं।

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

जैसे- पीतांबर - पीला है वस्त्र जिसका - श्री कृष्ण
दशानन - दस हैं आनन जिसके - रावण

प्रयोग के आधार पर - प्रयोग के आधार पर शब्दों के दो भेद हैं :-

i-) विकारी शब्द - जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक व काल के अनुसार परिवर्तन या विकार आ जाता है उन्हें 'विकारी शब्द' कहते हैं। विकारी शब्द चार हैं - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया शब्द विकारी शब्द हैं।

ii-) अविकारी शब्द - जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक व काल के अनुसार परिवर्तन या विकार नहीं आता, उन्हें 'अविकारी शब्द' कहते हैं। अविकारी शब्द पाँच होते हैं। क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक एवं निपात।

अर्थ के आधार पर - अर्थ के आधार पर शब्दों के छह भेद हैं -

i-) विलोम शब्द - ये शब्द परस्पर उल्टा अर्थ बताते हैं।
जैसे - ऊपर - नीचे, बाहर - अंदर आदि।

ii-) एकार्थी शब्द - ये वे शब्द हैं जिनका एक ही अर्थ होता है।
जैसे - पहाड़, प्रेम आदि।

iii-) पर्यायवाची शब्द - ये एक ही अर्थ बताने वाले शब्द हैं।
जैसे - आग, अनल, पावक आदि।

iv-) अनेकार्थी शब्द - ये ऐसे शब्द हैं जिनके कई अर्थ होते हैं।
जैसे - कनक - सोना, धतूरा, गेहूँ आदि।

v-) श्रुति सम भिन्नार्थक शब्द - ये वे शब्द हैं जो सुनने में लगभग एक जैसे लगते हैं पर उनके अर्थ भिन्न होते हैं।

vi-) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द - ये वे शब्द हैं जो अनेक शब्दों के स्थान पर आते हैं। जैसे - जो लोगों में प्रिय हो - लोकप्रिय।

प्रश्न-1 'सार्थक' एवं 'निरर्थक' शब्दों में क्या अंतर है?
उत्तर= सार्थक शब्द - जिन शब्दों का अर्थ होता है, उन्हें सार्थक शब्द कहते हैं। जैसे - कपड़ा, सुंदर आदि।

निरर्थक शब्द - जिन शब्दों का कोई अर्थ नहीं होता, उन्हें निरर्थक शब्द कहते हैं। जैसे - डापक, खसंु आदि।

प्रश्न-2 'शब्द' कब 'पद' बन जाता है?
उत्तर= जब शब्द वाक्य में प्रयुक्त होते हैं, तब इन्हें पद कहते हैं।

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera